DIRECTORATE OF DISTANCE EDUCATION

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

New Scheme of Examination

Master of Arts (Sanskrit)
Two Year Programme (Annual)

M.A (Previous)

Paper	Nomenclature	Marks
SK1001	Vedic Sahitya	100
SK1002	Sanskrit Grammar	100
SK1003	Bhartiya Darshan	100
SK1004	Laukik Sanskrit Sahitya	100
SK1005	Bhasha Vigyan	100

M.A. (Final)

Paper	Nomenclature	Marks
SK2001	Sanskriti & Dharmashastra	100
SK2002	Drama & Prose	100
SK2003	Kavya & Kavya Shastra	100
SK2004	Kavya Shastra	100
SK2005	Adhunik Sanskrit Sahitya	100

MASTER OF ARTS (SANSKRIT)
M.A.(Previous)
VEDIC SAHITYA
PAPER CODE: SK1001

Time: 3Hrs **Marks: 100**

घटक–1 ऋग्वेद 20

अग्नि(1.1); विष्णु (1.54); इन्द्र (2.12); सविता (4.54); अश्विनौ (7.71); पुरुष (10.90);
हिरण्यगर्भ (10.121); नासदीय (10.129);

घटक–2 शुक्लयजुर्वेद एवम् अथर्ववेद 20

यजुर्वेद – अध्याय – 23 (1–16 मन्त्र); अध्याय – 36
अथर्ववेद – मेधाजनन (1.1); अपां भेषजम् (1.6);
प्रजाभिः राज्ञः संवरणम् (3.4); ब्रह्मचर्य(11.5);
भूमि (12.1.1–25 मन्त्र)

घटक–3 ब्राह्मण एवं उपनिषद् 20

ब्राह्मण

ऐतरेयब्राह्मण – अध्यायः 33 (शुनः शेपाख्यान)
शतपथ–ब्राह्मण – 1.4.5.8–12 (वाङ्मनस् आख्यान)

उपनिषद्

1. कठोपनिषद्, 2. तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली)

घटक–4 वेदाङ्गसाहित्य 20

(क) निरुक्त (अध्याय 1–2)
(ख) पिङ्गल छन्दः सूत्र (वैदिक छन्द अध्याय 2–3)

घटक–5 वैदिक व्याकरण एवं व्याख्यापद्धति 20

(क) वैदिक व्याकरण (पदपाठ; स्वर–उदात्त, अनुदात्त, स्वरित; लेट् लकार)
(ख) वैदिकव्याख्यापद्धति (प्राचीन एवम् अर्वाचीन)

दिशा निर्देशः–

घटक 1 :(क) चार मन्त्रों में से दो मन्त्रों की व्याख्या	2X6=12
(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
घटक 2 :(क) चार मन्त्रों में से दो मन्त्रों की व्याख्या	2X6=12
(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
घटक 3 :(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X6=12
(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
घटक 4 : (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या अथवा	2X5=10
पांच शब्दों के निर्वचन	5X2=10
(ख) चार में से दो छन्दों के लक्षण व उदाहरण	2X5=10
घटक 5 : (क) वैदिक व्याकरण पर दों में से एक प्रश्न	1X10=10
(ख) व्याख्या पद्धति से सम्बन्धित दो में से एक प्रश्न	1X10=10

अनुशंसित ग्रन्थः

1. ऐतरेय ब्राह्मण, सायण भाष्य सहित, सम्पादक एवं अनुवादक, डॉ सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स वाराणसी।
2. शतपथ ब्राह्मण, नाग पब्लिशर्स, जवाहर नगर, दिल्ली।
3. एकादशोपनिषद् भाष्य, सत्यव्रत सिध्दान्तालंकार,ग्रेटर कैलास, नई दिल्ली।
4. निरुक्त, कपिल देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार,मेरठ।
5. पिङ्गलप्रणीतम् छन्दः शास्त्रम्, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर, हरियाणा।
6. निरुक्त मीमांसा, शिवनारायण शास्त्री।
7. Philosophy of the Upanishads, S. Radhakrishnan.
8. Constructive Survey of Upanishadic Philosophy, R D Ranade.
9. ऋक्सूक्त संग्रह – कृष्ण कुमार एवं हरिदत शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
10. ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद का सुबोध भाष्य– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।

SANSKRIT GRAMMAR
PAPER CODE: SK1002

Time: 3Hrs **Marks: 100**

घटक–1	लघुसिद्धान्त–कौमुदी (संज्ञा प्रकरण, सन्धि प्रकरण, स्त्रीप्रत्यय प्रकरण)	20
घटक–2	लघुसिद्धान्त–कौमुदी (सुबन्त प्रकरण)	20
घटक –3	लघुसिद्धान्त–कौमुदी (तिङन्त प्रकरण) भ्वादिगण (सम्पूर्ण); अदादिगण (अद्, हन्, अस्, दुह्, इण् धातुएं); जुहोत्यादिगण (हु, भी, डुदाञ्); दिवादिगण (दिव, शो, जन्); स्वादिगण (षुञ्, स्तृञ्); तुदादिगण (तुद्, भ्रस्ज्, मुच्); रुधादिगण (रुध, तृह्, भुज्); तनादिगण (तन्, डुकृञ्); चुरादिगण (चुर, कथ, गण)।	20
घटक–4	लघुसिद्धान्त–कौमुदी (कृदन्त, तद्धित, समास) कृदन्त (सम्पूर्ण); तद्धित (अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चातुरर्थिक); समास (सम्पूर्ण)।	20
घटक–5	सिद्धान्त–कौमुदी (कारक प्रकरण)	20

दिशा निर्देशः–

घटक 1 :(क) आठ में से चार पदों की सिद्धि	4**X**4=16
(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	2**X**2=4
घटक 2 :(क) आठ में से चार पदों की सिद्धि	4**X**4=16
(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	2**X**2=4
घटक 3 :(क) आठ में से चार पदों की सिद्धि	4**X**4=16
(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	2**X**2=4
घटक 4 :(क) चार में से दो कृदन्त पदों की सिद्धि	2**X**3=6
(ख) चार में से दो तद्धितान्त पदों की सिद्धि	2**X**3=6
(ग) आठ में से चार समस्त पदों की सिद्धि	4**X2**=8
घटक 5 :(क) किन्हीं चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	2**X**4=8
(ख) किन्हीं छः रेखांकित पदों में से चार में सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का कारण	4**X**3=12

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी, भैमी व्याख्या, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी, महेशसिंह कुशवाह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. कारक प्रकरण, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ।
5. कारक प्रकरण, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास।
6. कारक प्रकरण, उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।

BHARTIYA DARSHAN
PAPER CODE: SK1003

Time: 3Hrs **Marks: 100**

घटक –1: तर्कसंग्रह	20
घटक –2: सांख्यकारिका (1 से 21 कारिका)	20
घटक –3: सांख्यकारिका (22 से अन्त तक)	20
घटक –4: अर्थसंग्रह	20
घटक –5: वेदान्तसार	20

दिशा निर्देशः–

घटक 1 : चार सन्दर्भो में से दो की व्याख्या	2X10=20
घटक 2 : (क) चार कारिकाओं मे से दो की व्याख्या	2X6=12
(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
घटक 3 : (क) चार कारिकाओं मे से दो की व्याख्या	2X6=12
(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
घटक 4 : दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X20=20
घटक 5 : चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X10=20

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. तर्कसंग्रह व्याख्याकार, डॉ राजू शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन
2. सांख्यतत्त्व कौमुदी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. सांख्यकारिका, व्याख्या, विमला कर्णाटक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
4. अर्थसंग्रह, व्याख्याकार, डॉ कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती
5. वेदान्तसार, विमल प्रकाशन, गाजियाबाद
6. सांख्यकारिका, रामकृष्ण आचार्य
7. वेदान्तसार, सम्पादक एवं व्याख्याकार, डॉ आद्यप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
8. वेदान्तसार, व्याख्याकार सन्तनारायण श्रीवास्तव, सुदर्शन प्रकाशन, इलाहाबाद

LAUKIK SANSKRIT- SAHITYA
PAPER CODE: SK1004

Time: 3Hrs **Marks: 100**

घटक–1 :	मेघदूतम् (कालिदास)	20
घटक–2 :	हर्षचरितम् (प्रथमोच्छ्वास): बाणभट्ट	20
घटक–3 :	मृच्छकटिकम् (केवल श्लोक): शूद्रक	20
घटक–4 :	साहित्यदर्पणम् (प्रथम परिच्छेद, द्वितीय परिच्छेद एवं तृतीय परिच्छेद 1–29 कारिका): विश्वनाथ	20
घटक–5 :	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग): माघ	20

दिशा निर्देशः–

घटक 1 :	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2**X**6=12
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1**X**8=8
घटक 2 :	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2**X**6=12
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1**X**8=8
घटक 3 :	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2**X**6=12
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1**X**8=8
घटक 4 :	(क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2**X**6=12
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1**X**8=8
घटक 5 :	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2**X**6=12
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1**X**8=8

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. मेघदूत, व्याख्याकार – शिवराज शास्त्री, साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ
2. मेघदूत, व्याख्याकार – एस के डे, साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. मेघदूत, व्याख्याकार – एम आर काले, मोतीलाल बनारसीदास
4. हर्षचरित – व्याख्याकार – जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा, बाराणसी
5. मृच्छकटिक – व्याख्याकार आचार्य जगदीश पाण्डेय, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
6. मृच्छकटिक – व्याख्याकार रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
7. मृच्छकटिक – व्याख्याकार, श्रीनिवास शास्त्री साहित्य भण्डार, मेरठ
8. साहित्य दर्पण, व्याख्या, निरूपण विद्यालंकार
9. साहित्य दर्पण, व्याख्याकार शालिग्राम शास्त्री
10. शिशुपालवध, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ

BHASHA VIGYAN
PAPER CODE: SK1005

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit-I **20**

i. Definition, Scope and Branches of Linguistics.
(भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र तथा शाखाएं)
ii. Definition and Categories of Language
(भाषा की परिभाषा तथा प्रकार)
iii. Origin and Development of Language
(भाषा का उद्भव तथा विकास)

Unit-II **20**

i. Phonetics
(ध्वनिविज्ञान)
ii. Morphology
(पदविज्ञान)

Unit-III **20**

i. Syntax
(वाक्यविज्ञान)
ii. Semantics
(अर्थविज्ञान)

Unit-IV **20** Marks

i. Morphological and Geographical division of the Languages of the World
(विश्व की भाषाओं का आकृतिमूलक तथा पारिवारिक वर्गीकरण)
ii. Indo - European Family
(भारोपीय परिवार)

Unit-V **20** Marks

i. History of Linguistic Studies
(भाषाशास्त्र का इतिहास)
ii. Paleography
(शिलालेख विज्ञान)

दिशा निर्देशः–

प्रत्येक न्दपज में से दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थः–

1-भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ कपिल देव द्विवेदी, वाराणसी
2-भाषाविज्ञान, डॉ कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
3- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
4- An Introduction to Comparative Philology, PD Gune
5-Linguistic Introduction to Sanskrit, BK Ghosh
6-Sanskrit Syntax, JS Speijer, Motilal Banarsidas, Delhi

MASTER OF ARTS (SANSKRIT)
M.A.(Final)
Sanskriti and Dharmashastra
PAPER CODE: SK2001

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit I : मनुस्मृति (अध्याय **I & II**) 20

Unit II : याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय) 20

(i) साधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(ii) असाधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(iii) ऋणदान प्रकरण

(iv) लेखा प्रकरण

(v) दायविभाग प्रकरण

Unit III: कौटिल्य अर्थशास्त्र 20

½प्रथम भाग, केवल प्रथम अधिकरण)

Unit IV: रामायण और महाभारत 20

Unit V: पुराण 20

(i)पुराण की परिभाषा

(ii)महापुराण एवं उपपुराण

(iii)पुराणों में वर्णित सृष्टिविद्या

(iv)पुराणों में आख्यान

(v) iqराणों का सांस्कृतिक महत्व

दिशा निर्देश :–

Unit I, II, & III :

1. प्रत्येक इकाई में से चार पद्यों/सूत्रों में से दो की व्याख्या **2X8X3=48**
2. प्रत्येक इकाई में से दो में से एक लघु प्रश्न **1X4X3=12**

Unit IV & V:

प्रत्येक इकाई में से दो में से एक आलोचनात्क प्रश्न **1X20X2=40**

अनुशंसित ग्रन्थः –

1. मनुस्मृति – सम्पादक, जयन्त कृष्ण हरिकृष्ण देव, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई
2. मनुस्मृति – सम्पादक, गंगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली
3. याज्ञवल्क्य स्मृति– व्याख्याकार, गंगासागर राय
4. याज्ञवल्य स्मृति– उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Drama & Prose
PAPER CODE: SK2002

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit I : कादम्बरी (महाश्वेता वृत्तान्त)	20
Unit II : शिवराज विजय (1–3 उच्छ्वास)	20
Unit III : उत्तररामचरित	20
Unit IV : रत्नावली	20
Unit V : कर्णभार	20

दिशा निर्देश :–

Unit I : तीन में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2X1=20
Unit II : तीन में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2X1=20
Unit III : (क)तीन में से दो श्लोकों की व्याख्या	2X7=14
(ख) दो में से एक आलोचनातमक प्रश्न	1X6=06
Unit IV : (क)तीन में से दो श्लोकों की व्याख्या	2X7=14
(ख) दो में से एक आलोचनातमक प्रश्न	1X6=06
Unit V : (क)तीन में से दो श्लोकों की व्याख्या	2X7=14
(ख) दो में से एक आलोचनातमक प्रश्न	1X6=06

अनुशंसित ग्रन्थः –

1. कादम्बरी, व्याख्याकार, प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन
2. शिवराज विजय, व्याख्याकार, श्रीरामजी पाण्डेय शास्त्री
3. उत्तरराम चरित, व्याख्याकार, तारणीश झा
4. उत्तरराम चरित, व्याख्याकार, श्री आनन्दस्वरूप, मोतीलाल बनारसीदास
5. रत्नावली, व्याख्याकार, परमेश्वर दीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
6. रत्नावली, व्याख्याकार, ब्रजरत्न भट्टाचार्य, भारतीय विद्याप्रकाशन, वाराणसी
7. रत्नावली, व्याख्याकार, श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
8. कर्णभार – व्याख्याकार, श्री रामजी मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन

Kavya And Kavya Shastra
PAPER CODE: SK2003

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit I : नैषधीय चरित (प्रथम सर्ग) 20
(श्लोक 1–10, 15–26, 31–50, 55–56, 65–81, 98–102, 108–144)

Unit II : विक्रमांकदेव चरितम् (प्रथम सर्ग) 20

Unit III : विश्वगुणादर्श चम्पू (जगन्नाथक्षेत्रवर्णनम् तक) 20

Unit IV : आयति (कविता संग्रह) 20
(क) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री
(ख) जानकी वल्लभ शास्त्री
(ग) जगन्नाथ पाठक
(घ) अभिराज राजेन्द्र मिश्र
(ङ) राधावल्लभ त्रिपाठी

Unit V : महाकाव्य, चम्पू, गद्य एवं नाटक का उद्भव व विकास 20

दिशा निर्देश :–

(i) Unit I, II & III
प्रत्येक इकाई से तीन में से दो पद्यों की व्याख्या 2X10X3=60

(ii) Unit IV चार में से दो टिप्पणी 2X10=20

(iii) Unit V दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 1X20=20

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. नैषधीय चरित, व्याख्याकार, शेषकृष्ण शर्मा रेग्मी
2. नैषधीय चरित, निर्णसागर प्रेस, मुम्बई
3. विक्रमांकदेव चरित, व्याख्याकार, पं विश्वनाथ शास्त्री, भारद्वाज संस्कृत साहित्य अनुसंधान समिति, बनारस

Kavya Shastra
PAPER CODE: SK2004

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit I : काव्य मीमांसा (1–5 अध्याय) 20

Unit II : दशरूपक (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश) 20

Unit III : काव्य प्रकाश – उल्लास 1 से 3; 4 (रस प्रकरण); 5; 7 (रस दोष)

Unit IV : काव्य प्रकाश – नवम व दशम उल्लास 20
अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संसृष्टि

Unit V : ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) 20

दिशा निर्देश :–

Unit I	¼क)चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X6=12
	¼ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
Unit II	¼क)चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X6=12
	¼ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
Unit III	¼क)चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2X6=12
	¼ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X8=8
Unit IV	छः में से चार अलंकारों के लक्षण व उदाहरण	4X5=20
Unit V	¼क)दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	1X1=10
	¼ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1X1=10

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. काव्य मीमांसा
2. दशरूपक, व्याख्याकार, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. दशरूपक, व्याख्याकार, श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ
4. काव्य प्रकाश, सम्पादक, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लि. वाराणसी
6. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार, श्री कृष्ण कुमार
7. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार, आचार्य विश्वेश्वर

Adhunik Sanskrit Sahitya
PAPER CODE: SK2005

Time: 3Hrs **Marks: 100**

Unit I	: पुरोधसः स्वप्नः मायापति (शिवप्रसाद भारद्वाज)	20
Unit II	: द्वा सुपर्णा (रामजी उपाध्याय)	20
Unit III	: अभिनव संस्कृत कथा (डॉ नारायण शास्त्री कांकर)	20
Unit IV	: ∩यानन्द दिग्विजय (मेधाव्रताचार्य) सर्ग 1–2	20
Unit V	: आधुनिक संस्कृत कविपरिचय (अम्बिकादत्त व्यास, बच्चूलाल अवस्थी, शिवप्रसाद भारद्वाज, रामजी उपाध्याय, नारायण शास्त्री, मेधाव्रताचार्य, राजावल्लभ त्रिपाठी, राजेन्द्र मिश्र, हरिनारायण दीक्षित, रामकरण शर्मा)	20

दिशा निर्देशः–

(i)	Unit I	¼क)तीन में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2x8=16
		¼ख) दो में से एक प्रश्न	1x4=4
(ii)	Unit II	¼क) तीन में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2x8=16
		¼ख) दो में से एक प्रश्न	1x4=4
(iii)	Unit III	¼क) तीन में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2x8=16
		¼ख) दो में से एक प्रश्न	1x4=4
(iv)	Unit IV	¼क) तीन में से दो श्लोकों की व्याख्या	2x8=16
		¼ख) दो में से एक प्रश्न	1x4=4
(v)	Unit V	pार में से दो टिप्पणी	2x1=20

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. त्रिपत्री, देवेश पब्लिकेशन्स, रोहतक
2. द्वा सुपर्णा, रामजी उपाध्याय
3. दयानन्द दिग्विजय, व्याख्याकार, डॉ महावीर, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
4. अभिनव संस्कृत कथा, प्रकाशक, श्रीमती शान्ति देवी, विद्या वैभव भवन, जयपुर